मंगलवार
12 मार्च 2024

पृष्ठ 4
माइक्रोवेव के जिद्दी दाग साफ करने के आसान टिप्स

पृष्ठ 5
मड़गांव एक्सप्रेसः जिंदगी में आए तूफान से निपटेंगे तीन दोस्त

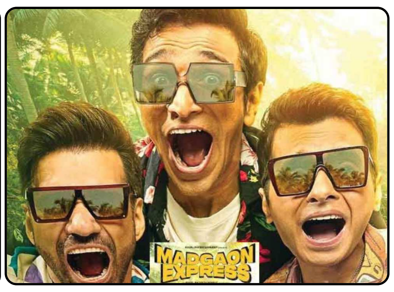

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 45
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जब तक भारत का राजकाज अपनी भाषा में नहीं चलेगा तब तक हम यह नहीं कह सकते कि देश में स्वराज है।
– मोरारजी देसाई

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दून से लखनऊ के बीच दौड़ी वंदे भारत

विशेष संवाददाता

देहरादून/अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आज देश के रेलवे नेटवर्क को बढ़ाते हुए 10 और नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई। अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम से पीएम मोदी द्वारा वर्चुअली भाग लिया गया। जिसमें देहरादून से सीएम धामी और राज्यपाल गुरमीत सिंह भी जुड़े। आज जिन 10 ट्रेनों को प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाई है उनमें एक ट्रेन उत्तराखंड को भी मिली है।

दून से लखनऊ के बीच आज से शुरू की गई इस वंदे भारत ट्रेन के संचालन से अब उत्तराखंड से लखनऊ और अयोध्या जाने वाले यात्रियों का सफर अत्यंत ही आसान और सुविधाजनक हो जाएगा। वंदे भारत ट्रेन से अब लखनऊ और दून के बीच सफर सिर्फ 8 घंटे में तय किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दून से लखनऊ के बीच वंदे भारत ट्रेन का संचालन शुरू करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है।

❑पीएम मोदी की सौगात, धामी ने जताया आभार

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड का विकास तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में अत्यंत ही तेजी से कनेक्टिविटी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं है जब पहाड़ में भी हाई स्पीड ट्रेन दौड़ेगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से कई नई ट्रेनों का संचालन शुरू किया जा चुका है। लाल कुआं से अमृतसर और काठगोदाम से दिल्ली के लिए ट्रेन शुरू होने के बाद अब वंदे भारत की शुरुआत हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

विदेशी ड्रग पैडलर व पूर्व अध्यापिका सहित तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने कोबरा गैंग की विदेशी महिला व पूर्व शिक्षिका सहित तीन लोगों को भारी मात्रा में कोकिन के साथ गिरफ्तार किया। शिक्षिका होने का फायदा उठाकर उसके द्वारा शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत छात्रों को टारगेट किया जाता है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया।

शिक्षिका पत्नी के माध्यम से शिक्षण संस्थानों के छात्रों को किया जाता था टारगेट

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री, उत्तराखंड के 'ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025' के विजन को साकार करने हेतु दून पुलिस द्वारा लगातार नशा तस्करों के विरूद्व प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत सम्पूर्ण जनपद में चलाये जा रहे सघन चैकिंग अभियान के दौरान थाना राजपुर पुलिस द्वारा आज पेसिफिक हिल्स मसूरी रोड के पास से कोबरा गैंग की एक शातिर

विदेशी महिला तस्कर सहित एक अन्य महिला व उसके पति को अवैध मादक पदार्थो के साथ गिरफ्तार किया गया, जिनकी तलाशी लेने पर उनके पास से 16.35 ग्राम कोकीन बरामद हुई। जिनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पूछताछ में सानयू डिनाह द्वारा बताया गया कि वह यूगांडा देश की नागरिक है तथा वर्तमान में बिजनेस वीजा पर जनवरी में भारत आई है। वह

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

अब हर रोज सुबह दूरदर्शन पर होंगे रामलला के दिव्य दर्शन

नई दिल्ली। दूरदर्शन नेशनल अब हर दिन सुबह 6:30 बजे अयोध्या के श्री रामलला मंदिर से भव्य आरती का सीधा प्रसारण करेगा। अब हर दिन भक्त भगवान श्री रामलला के दिव्य दर्शन कर सकते हैं। बताते चलें कि 22 जनवरी को प्रध नमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की थी। मंदिर में हर दिन पूजा अर्चना करने और रामलला के दर्शन करने के लिए हजारों भक्त पहुंचते हैं। रामलला की एक झलक पाने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रहती है।

अब दूरदर्शन में रामलला की लाइव आरती के प्रसारण की खबरें जैसे ही सामने आई, लोगों की खुशी का कोई ठिकाना ही नहीं रहा। अयोध्या में राममंदिर में लोगों की भीड़ के चलते हर किसी के लिए रामलला की लाइव आरती का गवाह बन पाना आसान नहीं हो पाता। ऐसे में जबसे खबरें आई हैं कि दूरदर्शन में इसका प्रसारण किया जाएगा तो भक्तों की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है।

नायब सिंह सैनी होंगे हरियाणा के नए मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष नायब सिंह सैनी हरियाणा के नए मुख्यमंत्री होंगे। चंडीगढ़ में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में सैनी को विधायक दल का नेता चुना गया। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने विधायक दल की बैठक के बाद मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शाम पांच बजे शपथ ग्रहण समारोह होगा। बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और हरियाणा मामलों के प्रभारी बिप्लव देब भी मौजूद थे। कुरुक्षेत्र के सांसद सैनी को पिछले साल अक्टूबर में प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। जननायक जनता पार्टी (जजपा) और

भाजपा का गठबंधन टूटने के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को आज सुबह अपना इस्तीफा सौंप दिया।

राज्य में मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री खट्टर समेत 14 मंत्री शामिल थे। इसमें उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जजपा के तीन सदस्य थे। दुष्यंत चौटाला ने सोमवार को भाजपा अध्यक्ष नड्डा के साथ सीटों के बंटवारे पर बातचीत की थी। भाजपा की हरियाणा इकाई के नेताओं का एक बड़ा वर्ग जजपा के साथ गठबंधन का विरोध कर रहा था। इसके बाद तेजी से बदले घटनाक्रम में आज मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दे दिया और फिर विधायक दल की बैठक बुलाई गई। वर्तमान में, 90 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 41 विधायक और जजपा के 10 विधायक हैं। इस गठबंधन को सात में से छह निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन प्राप्त था। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के 30 विधायक हैं और इंडियन नेशनल लोकदल तथा हरियाणा लोकहित पार्टी के पास एक-एक सीट है। भाजपा के साथ उन्होंने अपना राजनीतिक सफर भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी के रूप में साल 1996 से शुरू किया और साथ मिलकर साल 2000 तक काम किया।

दून वैली मेल

संपादकीय

चुनाव से पहले सीएए

केंद्र सरकार द्वारा बीते कल देर शाम नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) 2019 की अधिसूचना जारी कर दी गई जिसके साथ ही पूरे देश में सीएए लागू हो गया है। सीएए को जब सरकार द्वारा संसद में लाया गया था तो उस समय इसका देश की राजधानी से लेकर पूरे देश में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा भारी विरोध किया गया था। राजधानी दिल्ली का शाइन बाग सीएए के विरोध को लेकर सबसे अधिक चर्चाओं के केंद्र में रहा था। असम, केरल और पश्चिम बंगाल से इस कानून के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए थे जो धीरे-धीरे हिंसक आंदोलन में तब्दील हो गए और इसमें 50 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। एक बार फिर सरकार द्वारा इसकी अधिसूचना जारी होने के साथ ही इसके विरोध में स्वर सुनाई देने लगे हैं। कुछ राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे हैं तो कुछ राजनीति के दलों के नेताओ ने इसे लोकसभा चुनाव से ऐन पूर्व लाए जाने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों की सरकारों ने यहां तक घोषणा कर दी है कि वह अपने राज्यों में सीएए को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देंगे। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे का कहना है कि लोकसभा चुनाव के समय सीएए को लागू किया जाना भाजपा सरकार का एक विभाजनकारी काम है। कल सरकार द्वारा इसे लागू किए जाने से पहले सभी उन राज्यों में जहां इसे लेकर कानून व्यवस्था की समस्या खड़ी हो सकती है भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा सरकार द्वारा इस कानून को लोकसभा चुनाव से चंद दिन पहले लाया जाने का काम एक सोची समझी रणनीति के तहत किया गया है और वह इसके जरिए वोटो के ध्रुवीकरण की राजनीति करना चाहती है। क्योंकि इस कानून के तहत एक शब्द गैर मुस्लिम विदेशी शरणार्थियों को नागरिकता दिए जाने वाली बात ही ओवैसी जैसे नेताओं और मुसलमान को चुभ रही है। जो विरोध कर रहे हैं उनका कहना है जब सरकार बाहर से आए सभी संप्रदाय के लोगों को नागरिकता देने की बात कर रही है तो फिर इसमें मुसलमानों को शामिल क्यों नहीं किया गया है? सरकार के इस कदम को लेकर सभी लोग अपने-अपने तरीके से इसकी व्याख्या करने में लगे हैं। कुछ लोग इसे मोदी सरकार का मास्टर स्ट्रोक बता रहे हैं और इसे लागू होने से भाजपा के 400 पार के नारे को सच साबित होने की बात कह रहे हैं तो वहीं कुछ लोगों द्वारा इसे इलेक्टोरल बांड घोटाले और चुनाव आयोग तथा ईवीएम के मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश भी बता रहे हैं। लेकिन एक बात साफ है भाजपा और बजरंग दल जैसे राजनीतिक दल इस पर जश्न मनाने और मुस्लिम समाज के लोग इसके विरोध में प्रदर्शन के लिए आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं वह देश का माहौल खराब करने का बड़ा कारण बन सकते हैं। सत्ता में बैठे लोग अगर सामाजिक असुरक्षा का माहौल पैदा कर चुनाव को प्रभावित करना चाहते हैं तो इसे उचित नहीं कहा जा सकता है। हम यह स्पष्ट कह रहे हैं कि राष्ट्र और समाज हित में सीएए को लागू जरूर किया जाना चाहिए लेकिन इसके लिए अनुकूल सामाजिक वातावरण और अनुकूल समय का ख्याल रखा जाना चाहिए था। जो सरकार द्वारा नहीं रखा गया है। चुनाव से पूर्व अगर असुरक्षा और अशांति का माहौल बनता है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा यह भी सोचने की जरूरत है।

मारपीट कर किया घायल, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी विनय गांधी ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी फैक्ट्री में अपने एकाउंटेंट हिमांशु के साथ कुछ कागजात कंम्प्यूटर से निकलवाने लगा तभी उसका पार्टनर राकेश गांधी ऊपर से अपने आफिस से आ गये और उसको गाली गलौच देने लगे और जान से मारने की धमकी देने लगे और उसने उक्त व्यक्ति से कहा की कि वो उसके साथ गाली गलौच ना करे और अपने आफिस मे जाये उसके पश्चात उक्त व्यक्ति ने उसके साथ मार पिटाई शूरू कर दी और उसको जमीन पर लिटा कर बहुत मारा और उसके सर से खून बहने लगा तथा उसका गला दबाने लगा और उसके आंख मे मारा उसके बाद उसकी आंख से दिखना बन्द हो गया उसके पश्चात उसको दिलदार ड्राईवर ने उसको बचाया उसने वहा से भाग कर अपनी जान बचाई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

साकमुक्षो मर्जयन्त स्वसारो दश धीरस्य धीतयो धनुत्रीः।
हरिः पर्यद्रवज्जाः सूर्यस्य द्रोणं ननक्षे अत्यो न वाजी।।
(ऋग्वेद ९-९३-१)

जब साधक योगी मन के माध्यम से दस इंद्रियांवृति बहनों (पांच ज्ञानेंद्रियां और पांच कर्मेंद्रियां) को नियंत्रित करके प्रभु की ओर लगा देता है, तो परमेश्वर की दिव्यता का प्रकाश ऐसे योगी के अंतकरण में हो जाता है। जिससे दुखों का नाश होता है और जीवन आनंदमय हो जाता है।

तिब्बती महिला विद्रोह दिवस की 65वीं वर्षगांठ पर चीन के खिलाफ प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। तिब्बती महिला विद्रोह दिवस की 65वीं वर्षगांठ पर तिब्बती महिलाओं ने परेड ग्राउंट में चीन के खिलाफ प्रदर्शन कर अपना रोष प्रकट किया।

आज यहां तिब्बती महिला एसोसिएशन के बैनर के तले हजारों की संख्या में तिब्बती महिलाएं परेड ग्राउंड में एकत्रित हुई। जहां पर उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए परेड ग्राउंड के चारों और घूमकर चीन के खिलाफ प्रदर्शन कर अपना रोष व्यक्त किया। उनका कहना था कि 12 मार्च 1959 तिब्बती महिलाओं के इतिहास में एक एतिहासिक क्षण है जब वे राजधानी ल्हासा में पोटाला के महल के बाहर ड्रेबू युल्खे मैदान पर चीनी सरकार के क्रूर दमन का विरोध करने के लिए एकजुट हुई। पामों (शहीद) कूनसांग के नेतृत्व में महिलाओं का एक समूह कम्युनिस्ट चीन द्वारा तिब्बत पर गैरकानूनी कब्जे का विरोध करने के लिए सैकड़ों तिब्बती महिलाओं के साथ मंच पर आया। विद्रोह के दौरान क्रूर दमन में सैकड़ों तिब्बी महिलाएं मारी गयी और कई को गिरफ्तार कर प्रताडित किया गया और बिना किसी मुकदमें के पीटा गया।

उनका कहना था कि उनके तिब्बती इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक 12 मार्च 1959 है। जैसा कि हम चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के उत्पीडन के 65 वर्ष पूरे कर रहे हैं। हम दुनिया भर में उन महिलाओं को पहचानते है और उनका सम्मान करते हैं। जिन्होंने हमारी संस्कृति पहचान और स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि निर्वासित और तिब्बती लोगों के पुनर्मिलन की उनकी उम्मीदें पूरी हों उन्होंने कहा कि ह म इस दिन को तिब्बत और दुनिया के अन्य क्षेत्रों में मानवाधिकारों, शांति और स्वतंत्रता के लिए गहरी आशाओं के साथ मनाते हैं जहां शांति को क्रूर शासनों ने बंधक बना रखा है।

विद्यालय प्रबंधक की अलमारी से रिवाल्वर व तीन लाख रुपये चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने विद्यालय प्रबंधक की अलमारी से एक लाईसेंसी रिवाल्वर व तीन लाख रूपये चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाढवाला निवासी शरद शिव अग्रवाल ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके आवासीय विद्यालय में बीती रात को किसी अज्ञात व्यक्ति ने आकर ऑफिस का ताला तोडकर ऑफिस में रखी आलमारी भी तोड दी। सीसीटीवी की फुटेज देखने पर पता चला कि यह घटना रात्रि लगभग ढाई से तीन बजे की है। ऑफिस में रखी आलमारी का ताला तोडा गया, जिसमें से लाईसेन्स रिवॉल्वर इसके साथ ही लगभग तीन लाख की नगदी एवं उनके अराध्य महासू देवता मन्दिर का भेंट पात्र जिसमें से करीब 4000 से 5000 रुपया तक होते हैं, चोरी हुआ है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सुमाड़ी श्रीनगर में एनआईटी के निर्माण के लिए एनबीसीसी के साथ हुआ एमओयू

पौड़ी(कासं)। जिला पौड़ी गढ़वाल के सुमाड़ी श्रीनगर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एनआईटी के निर्माण के लिए एनबीसीसी के साथ एमओयू हुआ। गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत ने कहा कि यह उत्तराखंड के लिए खुशी का विषय है और ये 2027 तक बनकर सुमाड़ी में तैयार होगा। उन्होंने कहा कि एनआईटी परिसर को श्रीनगर गढ़वाल से जयपुर में विस्थापित करने के संबंध में वर्ष 2019 में लोक सभा में एनआईटी का मुद्दा मैंने प्रमुखता से उठाया था जिसके बाद से एनआईटी शिफ्टिंग पर रोक लगी। एनआईटी कैंपस बनने से सुमाड़ी सहित सम्पूर्ण क्षेत्र का बहुप्रतीक्षित विकास होगा। साथ ही युवाओं को उच्च तकनीनिकी शिक्षा का लाभ एवं नए रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री निरन्तर युवाओं को टेक्नोलॉजी के माध्यम से उनके कौशल विकास के लिए दृढ़ संकल्पित रहते हैं।

डीजे पर नाचने पर हुए विवाद में युवक को मारपीट कर किया जख्मी

संवाददाता

देहरादून। डीजी की धून पर नाचने पर हुए विवाद में युवकों ने मारपीट कर एक युवक को घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एटनबाग विकासनगर निवासी संतोष कुमार ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि पांच मार्च को उसका पुत्र नितिन अपने मित्र सचिन के साथ विनय के विवाह समारोह स्थान छरबा में डी जे की धुन पर नाच रहे थे कि सुमित पुत्र प्रकाश निवासी ग्राम छरबा ने उसके पुत्र को पीछे से धक्का दिया जिससे यह गिर गया। उसके पुत्र ने सुमित को कहा कि तुने क्यो धक्का दिया तो वह एक दम गुस्से में आ गया और उसने उसके पुत्र को मां बहन की गन्दी गन्दी गालिया दी और सुमित व उसके दोस्त रोहित मार पीट पर आमादा हो गये तो सचिन ने बीच बचाव कराया तो सुमित व रोहत ने उसके पुत्र को जान से मारने की धमकी देते हुये कहा कि साले तुझे आज सबक सिखा के रहूँगा।

उसका पुत्र अपने मित्र सचिन की कार में बैठकर अपने घर जा रहे थे तो सन्तोषी माता मन्दिर के सामने छरबा मे सुमित ने अपनी मोटर साईकिल बीच सडक मे खड़ी कर सचिन द्वारा चलाई जा रही कार को रोक दिया तभी पीछे से रोहित पुत्र कुन्दन सिंह निवासी छरबा अपने साथी के साथ वही पर आया और इन तीनो ने रात्री लगभग 11 बजे कार से उसके पुत्र को बाहर निकलने को कहा उसका पुत्र डर के मारे बाहर नही निकला तो सुमित ने कार की खिड़की के शीशे पर जोर से मुक्का मारकर शीशा तोड दिया जिससे उसके पुत्र की आंख में कांच लग गया और उसके पुत्र की आंख अत्यधिक जख्मी हो गई तो सुमित, रोहित व इनके एक साथी ने जोर जबरदस्ती से नितिन को गिरेबान खिचकर कार से बाहर निकाला और उसे बुरी तरह लात घुसो से मारा जिससे उसका पुत्र जख्मी हालत में जमीन पर गिर पड़ा उसके पुत्र के मित्र सचिन ने बीच बचाव कराया तथा हल्ला मचाया तो ये लोग वहां से यह कहते हुये भाग गये कि साले आज तो तु बच गया परन्तु तुझे जिन्दा नही छोडेगे।

अगले दिन नितिन सरकारी अस्पताल सहसपुर गया डाक्टर ने मैडिकल किया और आंखो के सर्जन के पास जाने हेतू कहा तो वह अपने पुत्र को जोली ग्रान्ट हिमालयन अस्पताल ले गया जहां डाक्टर ने उसके पुत्र की आंख का आपरेशन किया उसका पुत्र तब से अस्पताल में भर्ती चला आ रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कौन विश्व गुरु, कौन सी सभ्यता प्रकाश स्तंभ?

हरिशंकर व्यास

सवाल अच्छा है? दुनिया की कौन सी नस्ल व सभ्यता विश्व गुरू है? जवाब से पहले जानना होगा कि गुरू और सभ्यता के क्या मायने हैं? गुरू होना क्या होता है? सभ्यता से क्या अभिप्राय है?

मेरी राय में यह परिभाषा सटीक है कि जो अज्ञान के अंधकार को दूर करता है वह गुरू। उपनिषदों में संस्कृत मूल के शब्द गुरू के 'गु' (अज्ञान) 'रू' (दूर करने वाला) की व्याख्या कमोबेश एक सी है। अज्ञान को अंधकार बताया गया है। (गु शब्दस्त्वन्धकारः स्यात् रु शब्दस्तन्निरोधकः।

अन्धकारनिरोधित्वात् गुरु ऋत्यभिधीयते-अद्वैतारक उपनिषद) वही सभ्यता के मायने है, वह मानव समाज जिसकी वह विशिष्ट विकसित सामाजिक-सांस्कृतिक रचना है जिसमें लोग अच्छे से मजे में रहते है। लोग जिंदादिली, बुद्धि-सत्य-तर्कसंगतता, समानता, न्याय, लोकतंत्र व अनुसंधान-प्रयोगों की जोखिम की विरासत और गुणों से भरी-पूरीजिंदगी जीते है।

इन अर्थों में पृथ्वी के आठ अरब लोगों, 195 देशों का वह विश्व गुरू कौन है, जिसमें अज्ञान, अंधकार मिटाने की गुरुता, प्रकाश है? या वह सभ्यता कौन सी जो मानों विश्व का प्रकाश स्तंभ? क्या पश्चिम की सभ्यता, ईसाई समाज? या अरब-इस्लामी सभ्यता-संस्कृति गुरू, और अनुकरणीय? या चीन और चाइनीज सभ्यता विश्व को अज्ञान, अंधकार से उजियारे की और ले जाने की टार्चलाइट? और हम हिंदू?

सदियों से विश्व गुरू के सपनों में जी रहे हैं और अब तो बाकायदा विश्व गुरूहोने का डंका भी पीटते हुए।और महात्मा गांधी जगत संत वही नरेंद्र मोदी जगत पिता! ऐसा ही रूस, उसके पुतिन, स्लाविक सभ्यता का घमंड है कि उसका महाशक्ति रूप बाकी सभ्यताओं के लिए प्रकाश पुंज। कइयों का खासकर दुनिया के वामपंथियों का ख्याल है अमेरिका पतन के कगार पर है तो रूस या चीनी सभ्यता से ही दुनिया का अज्ञान-अंधकार मिटेगा।

उस नाते दुनिया की व्यवस्था में गुरू पर विचार और फैसला वैसा ही है जैसे इन दिनों हम भारत के लोगों के लिए कलियुगी गुरूओं में चुनने का झंझट है। गुरूओं में प्रतिस्पर्धा है। सक्सेस रेट कसौटी है। मार्केटिंग से फैसला है। और जिसकी लाठी उसकी भैंस या ऊंची मगर झूठ की दुकान के झांसे में गुरू, महागुरू, विश्व गुरू चुने जाते हुए हैं।

बहरहाल विश्व के मायनों में राजनीतिक, वैचारिक, धार्मिक और आर्थिक-सैनिक ताकत के अहंकारों में जी रही मानवता के तकाजे में सभ्यता और गुरू तय करना असंभव काम है। सभी सभ्यताएं गुरूर पाले हुए है। मगर मोटा-मोटी दुनिया में धारणा है कि पश्चिमी सभ्यता का निर्माण अतुलनीय है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस याकि यूनानी सभ्यता से शुरू पश्चिमी समाजों का विकास, सभ्यता व संस्कृति का निर्माण शेष दुनिया के लिए अनुकरणीय है।

और इस बात में कुछ सत्य है। लेकिन हाल में ऑक्सफोर्ड में पढ़ाने वाली इतिहासकार जोसेफिन क्राउली क्विन की एक नई थीसिस मालूम हुई। हाल में रिलीज हुई उनकी पुस्तक 'हाउ द वर्ल्ड मेड द वेस्ट' का यह दिलचस्प सार है कि यूरोपीय उपलब्धियों के हवाले पश्चिमी सभ्यता का गर्व सही नहीं है! इसलिए क्योंकि दुनिया ने पश्चिम को बनाया है न कि पश्चिमी सभ्यता का अपने से विकास है!

जोसेफिन क्विन का कहना है कि सभ्यताओं को अलग-अलग खांचों में याकि उन्हे अलग-अलग कंपार्टमेंट में बांटने की इतिहास दृष्टि गुमराह करने वाली है। मतलब पहचान विशेष से चिन्हित स्वकेंद्रित सभ्यताओं को अलग-अलग समूह में बांट कम्पार्टमेंटलाइज एप्रोच का इतिहास और सोच सही नहीं है। इसलिए क्योंकि-लोग इतिहास नहीं बनाते हैंवह उन लोगों, जिनके द्वारा दूसरों (बाहरी-अन्य संस्कृतियों के लोगों) से संबंध याकि कनेक्शन बनतदे है, उससे इतिहास बनता है।

और मेरा माननता है यह सत्य सभी सभ्यताओं, पूरी दुनिया के संदर्भ में सही है।

लेखिका के अनुसार यह सत्य ब्रिटेन, पूरे यूरोपीय इतिहास पर लागू है। फालतू बात है कि संस्कृतियों में दूरी हुआ करती थी तो परस्पर संपर्क नहीं था। सच्चाई है संस्कृतियों के बीच, लंबी दूरियों के बावजूद संपर्क, आश्चर्यजनक रूप से थे और वे संपर्क, वे एक्सचेंज ही हर युग में मानव उन्नति के इंजन थे। संस्कृतियां अंतर्मुखी नहीं थीं। सभी समाज बाहरी विचारों, तकनीक, फैशन को अपनाते हुए थे।

जैसे पश्चिमी सभ्यता का आदि सोर्स यूनान से शुरू है। लेकिन लेखिका के अनुसार यूनान का अपना मौलिक बहुत कम था। वह सेमुरी, मिस्र, असीरियन और फोनीशियन संस्कृतियों के आगे कुछ भी नहीं था। ये सब तब एक-दूसरे के आइडिया को एक्सचेंज करते हुए थे। लोकतंत्र का मौलिक जन्म यूनान, एथेंस में नहीं था। वह वहां बाद में आया। लोकतंत्र के शुरुआती आइडिया और प्रयोग मौजूदा लीबिया में, समोस और चियोस के द्वीपों पर आजमाया गया लगता है। यूनानियों की तुलना में फारसी बहुत आगे थे और उन्होंने ही पहले ग्रीक शहरों पर कब्जा करके वहां लोकतंत्र की व्यवस्था बनाई। यह व्याख्या गहरी है। मेरा मानना है मानव इतिहास का सार है कि अंधकार से प्रकाश, ज्ञान, विकास, निर्माण आदि सब कुछ मनुष्य दिमाग की वैयक्तिक खोज है। इनमें किसी समाज, देश, नस्ल और सभ्यता या संस्कृति का कोई अर्थ नहीं है। वैज्ञानिक विकासवाद की वैश्विक धारणा, कसौटी में सोचें तो अफ्रीका की गुफाओं से निकले होमो सेपियन ने बिना सभ्यता, संस्कृति के ही पूरी पृथ्वी को खंगाला। शिकारी-पशुपालक मनुष्य हर जगह पहुंच गए। अग्नि खोजी, पहिया खोजा और ऊर्जा व गति का शाश्वत सत्य बूझा।

विभिन्न संगठनों ने ममता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा

संवाददाता

देहरादून। समरसता मंच के आहवान पर विभिन्न संगठनों पर तृणमूल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर संदेशखाली के दोषियों पर कार्यवाही की मांग करते हुए राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा।

आज यहां पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में दलित महिलाओं एवं बच्चों पर अमानवीय कृत्य के विरोध में सामाजिक समरसता मंच के आह्वान पर विभिन्न संगठनों ने तृणमूल सरकार की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया साथ ही जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में आरोपियों के खिलाफ अनुसूचित जाति जनजाति अधिनियम के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज करने की मांग की। सामाजिक समरसता मंच के आहवान पर राष्ट्रीय वाल्मिकी क्रांतिकारी मोर्चा सहित कई सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता घंटाघर स्थित वरिष्ठ आंदोलनकारी इंद्रभूषण बडोनी की प्रतिमा के समक्ष धरने पर बैठे। तत्पश्चात जुलूस के रूप में नारेबाजी करते हुए जिला मुख्यालय पहुंचे।

इस अवसर पर सामाजिक समरसता मंच के क्षेत्रीय प्रमुख लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल एवं प्रान्त संयोजक राजेंद्र पंत ने राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन के माध्यम से

कहा कि दलित महिलाओं एवं बच्चों पर अत्याचार होता है और कई दिनों तक प्राथमिक रिपोर्ट तक दर्ज नहीं होती। जब ईडी आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करती है तो उन पर हमला किया गया। ऐसी कई घटनाएं हैं जिन सरकार ने कोई संज्ञान नहीं लिया स पूर्व राज्यमंत्री एवं राष्ट्रीय वाल्मिकी क्रांतिकारी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना ने कहा कि संदेश खाली की घटना मानवता को झकझोर देने वाली है। सरकार की शह पर दलित एवं आदिवासी महिलाओं पर अत्याचार किए गए और सरकार आरोपियों को बचाने का प्रयास करती रही। यह कृत्य सरकार की दलित विरोधी एवं महिला विरोधी मानसिक को दर्शाता है। सामाजिक समरसता मंच ने राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में आरोपियो के खिलाफ अनुसूचित जाति जनजाति निवारण अधिनियम के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज करने की मांग की। इस अवसर पर अखिल भारतीय बौद्ध संघ के जगराम सिंह ने भी अपने विचार रखे। प्रदर्शनकारियों में पूर्व सभासद नीतू वाल्मीकि, अनिका क्षेत्री, धर्मपाल घाघट, रविन्द्र वाल्मिकी, राजीव राजौरी, विनोद घाघट, महेश पाल, अज्जू भाई, कुलवंत सूद, मनोज कुमार आदि थे।

चरस के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने कुंजा ग्रान्ट के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 260 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम कौशर पुत्र सुलेमान निवासी मिर्जापुर सहारनपुर बताया।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने पोंदी पुल कब्रिस्तान जाने वाले मार्ग पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से आठ ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सलीम पुत्र महमूद निवासी सहसपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

वर्क संस्था ने किया लोगों को भोजन वितरित

संवाददाता

देहरादून। वर्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नॉलेज संस्था ने पल्टन बाजार में लोगों को भोजन वितरित किया।

वर्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नॉलेज (वर्क) के कार्यकर्ताओं ने पलटन बाजार जामा मस्जिद के सामने समाज सेवा करते हुए लोगों को भोजन वितरित किया कार्यकर्ताओं ने सोयाबीन आलू और चावल की तहरी बनाकर काफी बड़ी मात्रा में लोगों को भोजन व पानी की बोतलें वितरित कराने का कार्य किया चलते फिरते सभी राहगीर व बाजार में पहुंचे हर व्यक्ति को खाना वितरित करने का कार्य किया। स्मरण रहे की वर्क संस्था समय-समय पर सामाजिक कार्य करते हुए समाज सेवा के कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले इस प्रकार के कार्य करती रहती है। जिससे लोगों का भला हो उन तक भोजन कपड़ा और जरूरत की चीज पहुंच सके और समाज में प्यार, मोहब्बत, भाईचारा आए और सभी धर्मों के लोग व सभी जन मिलजुल कर रहे। एक दूसरे के हित के बारे में और देश के बारे में सोचें देशहित के कार्य करें समाज में छोटे-बड़े का भेदभाव ना हो सभी को भोजन मिले सबको शिक्षा और चिकित्सा मिल सके। इस प्रकार के कार्य करती रहती है सभी धर्मों को जोड़ने का कार्य व मिलजुल कर रहने की शिक्षा देती है जिससे हमारा देश और तरक्की करें समानता आए सभी मिलकर सतयुग वाले कार्य करें और देश महान और विश्व गुरु कहलाए। इस अवसर पर वर्क के दानिश अफजल और आरिफ वारसी ने कहा कि हम

सभी देशवासियों को इस प्रकार के कार्य करते रहना चाहिए। जहां भी किसी हमारे देशवासी को या कहीं इंसानियत को दुख पहुंच रहा है या मानवता परेशानी में है तो हमें मानवता के लिए और देशहित के लिए समाज के लिए उठ खड़े होना चाहिए और उसका सहयोग कर उसकी मदद करनी चाहिए। अवसर पर वर्क के दानिश अफजल, आरिफ वारसी, इलियास कुरैशी, मोहम्मद फैजान, कालू भगत, प्रभात डंडरियाल, हिना कुरैशी, रूही अंजुम, मोहम्मद जुनेद, मोहम्मद सालार, उजैर वारसी सहित वर्क के बहुत से कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बिहार, झारखंड में कांटे की लड़ाई

हरिशंकर व्यास

भारतीय जनता पार्टी 370 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जिन राज्यों में पिछली बार का प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद कर रही है उनमें बिहार और झारखंड दोनों शामिल हैं। बिहार में पिछली बार 40 में से 39 सीटें एनडीए को मिली थी जिसमें भाजपा को अकेले 17 सीटें मिली थीं। इस बार भाजपा को इसमें मुश्किल दिख रही थी तो उसने किसी तरह से राजद और जदयू का गठबंधन तुड़वा कर नीतीश कुमार के साथ तालमेल किया है। इसके बावजूद भाजपा को गारंटी नहीं है कि वह पिछला प्रदर्शन दोहरा पाएगी।

इसी तरह झारखंड में भाजपा और उसकी सहयोगी को राज्य की 14 में से 12 सीटें मिली थीं। लेकिन उसके तुरंत बाद हुए विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने उसे हरा दिया था। तब से भाजपा किसी तरह से सरकार को अस्थिर करने में लगी थी। चुनावी साल में जेएमएम नेता हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी ने विपक्ष का वोट एकजुट किया है। वहां आधा दर्जन सीटों पर भाजपा के लिए मुश्किल लड़ाई दिख रही है। ओवरऑल वोट में भाजपा बहुत आगे है। उसे 56 फीसदी वोट मिले थे, जबकि जेएमएम और कांग्रेस अलायंस को 35 फीसदी वोट मिले थे। यानी 21 फीसदी वोट का अंतर था।

लेकिन सीटवार देखें तो पिछले लोकसभा चुनाव में झारखंड में भाजपा ने लोहरदगा, खूंटी और दुमका सीट बहुत कम अंतर से जीती थी। खूंटी में अर्जुन मुंडा महज डेढ़ हजार वोट से जीते थे, जबकि लोहरदगा सीट पर सुदर्शन भगत 10 हजार वोट से जीते थे। दुमका में सुनील सोरेन ने शिबू सोरेन को 47 हजार वोट से हराया था। इन तीन सीटों पर कांग्रेस और जेएमएम गठबंधन कम अंतर से हारा था और दो सीटों- चाईबासा व राजमहल में जीत मिली थी। सो, कम से कम पांच लोकसभा सीटें ऐसी हैं, जहां विपक्ष गठबंधन मजबूत है। पिछली बार के मुकाबले विपक्ष का गठबंधन इस बार बेहतर स्थिति में इसलिए भी है क्योंकि पांच साल राज्य में भाजपा के तमाम प्रयासों के बावजूद न जेएमएम में कोई टूट हुई और न कांग्रेस टूटी। हेमंत सोरेन के इस्तीफा देने और गिरफ्तारी के बाद भी चम्पई सोरेन के साथ सभी विधायक एकजुट रहे।

बिहार में भाजपा को पता था कि राजद, जदयू, कांग्रेस और लेफ्ट का गठबंधन ज्यादा मजबूत है इसलिए नीतीश कुमार को उसने अपने साथ मिलाया। ओवरऑल वोट में भाजपा, जदयू और लोजपा गठबंधन को 23 फीसदी वोट की बढ़त थी। एनडीए को 53 फीसदी तो कांग्रेस और राजद गठबंधन को 30 फीसदी वोट मिले थे। लेकिन सीटवार मुकाबले में कई सीटें बहुत कांटे की टक्कर वाली थीं। मिसाल के तौर पर जहानाबाद सीट पर राजद के सुरेंद्र यादव सिर्फ साढ़े 17 सौ वोट से हारे थे।

पाटलिपुत्र सीट पर मीसा भारती 39 हजार वोट हारी थीं तो कटिहार सीट पर कांग्रेस के तारिक अनवर 57 हजार वोट से हारे थे। राजद और कांग्रेस की सहयोगी पार्टियां काराकाट और औरंगाबाद सीट पर भी एक लाख से कम वोट से हारी थीं। विपक्षी गठबंधन सिर्फ एक किशनगंज सीट जीत पाया था। लेकिन इस बार नीतीश कुमार के पाला बदलने के बाद विपक्ष ज्यादा आक्रामक लड़ाई की तैयारी में है, जिसमें पाटलिपुत्र, जहानाबाद, कटिहार, सासाराम, औरंगाबाद, काराकाट, सीवान, सारण और बक्सर जैसी करीब 10 सीटों पर कांटे की टक्कर होगी। इसलिए भाजपा नीतीश कुमार के अलावा लोजपा के दोनों खेमों यानी चिराग पासवान व पशुपति पारस के साथ साथ उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी को भी एनडीए में रखे हुए है। इन सबको सीटें देकर वोट एकजुट करने की कोशिश में है तो बूझ सकते है बिहार में मुकाबला कितना तगड़ा है।

कांग्रेस में सीटिंग गेटिंग का फॉर्मूला

एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी थोक के भाव सांसदों की टिकट काटने जा रही है तो दूसरी ओर कांग्रेस यथास्थिति रखने वाली है। पार्टी के जानकार सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस इस बार शायद की किसी सांसद की टिकट काटेगी। राज्यों से भी सभी मौजूदा सांसदों के नाम की सिफारिश की जा रही है। कांग्रेस के साथ मुश्किल यह है कि उत्तर भारत के राज्यों में उसके गिनती के सांसद हैं। उनमें से भी झारखंड की सिंहभूम सीट से जीती कांग्रेस की सांसद गीता कोड़ा भाजपा में चली गई हैं तो उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से जीतीं सोनिया गांधी चुनाव नहीं लड़ेंगी। वे राज्यसभा में चली गई हैं। इसलिए इन दो सीटों पर नए उम्मीदवार देने होंगे। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नकुलनाथ इकलौते सांसद हैं, जो छिंदवाड़ा से जीते थे। वे इस बार भी लड़ेंगे और छत्तीसगढ़ के दोनों सांसदों- कोरबा की ज्योत्सना चरणदास महंत और बस्तर के दीपक बैज को फिर से टिकट मिलेगी। कर्नाटक में कांग्रेस सिर्फ एक बेंगलुरू ग्रामीण सीट से जीती थी। उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश उस सीट से सांसद हैं और फिर से उनको ही इस सीट पर लड़ना है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

माइक्रोवेव के जिद्दी दाग साफ करने के आसान टिप्स

टेक्नोलॉजी ने जहां हमारी लाइफ को आसान बनाने का काम किया है, तो दूसरी ओर हमारा काम भी बढ़ा दिया है। माइक्रोवेव अवन के कारण आज हर कोई अपने घर में आराम से बेकिंग, ग्रिलिंग और रोस्टिंग कर एक से बढकर एक फूड्स का आनंद ले रहा है। लेकिन इन्हें बनाते हुए अवन में जो दाग-धब्बे लगते हैं, उन्हें साफ करना भी एक बड़ा टास्क होता है। अगर इन दागों को वैसे ही छोड़ दिया जाए, तो धीरे-धीरे यह अवन की गुणवत्ता और खाने के स्वाद पर भी असर डालने लग जाते हैं। दूसरी ओर गंदे अवन किचन की शोभा बढ़ने के बजाय और घटाने लग जाते हैं। अगर आप भी उनमें से हैं, जो अवन की गंदगी साफ करने के लिए खूब मशक्कत करते हैं, तो यहां दिए गए टिप्स आपके लिए ही हैं, जिनकी मदद से आप अवन को गंदा या मेस्सी होने से रोक सकते हैं।

माइक्रोवेव साफ करने के लिए आसान टिप्स-

1। एल्युमीनियम फॉयल का इस्तेमाल करें

ओवन में खाने को फैलने से रोकने के लिए एल्यूमीनियम फ़ॉइल का इस्तेमाल करना एक प्रभावी तरीका है। ऐसे दो तरीके हैं जिनसे आप इसका उपयोग कर सकते हैं। सबसे पहले, आप ओवन के निचले रैक को एल्यूमीनियम फ़ॉइल की शीट से पैक कर सकते हैं। इससे ऊपर से टपकने वाली खाने की चीज को नीचे फैलने से रोकने में मदद मिलेगी, जिससे अवन के निचले हिस्से को गंदा होने से रोका जा सकेगा। दूसरा तरीका यह है कि खाने को सीधे इससे ढक दिया जाए। ऐसा करने से खाना अपनी जगह पर रहेगा और लीक नहीं होगा।

2। बेकिंग ट्रे का इस्तेमाल करें

एल्युमिनियम फॉयल खत्म हो गया है, तो बेकिंग ट्रे का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। लसग्ना, पुडिंग जैसे डिशेज काफी भारी होते हैं और बेकिंग ट्रे आसानी से गिरे हुए भोजन को इकट्ठा करने में मदद करती है। यदि आप नीचे एल्यूमीनियम फ़ॉइल रखते हैं, तो हो सकता है कि यह उसे संभाल न सके और शायद फट भी जाए। इसलिए खाने के मुताबिक फॉयल या ट्रे का इस्तेमाल करें।

3। खाना बहुत ज्यादा मात्रा में न भरें

एक और चीज जो हममें से ज्यादातर लोग अक्सर करते हैं वह है बेकिंग ट्रे में जरूरत से ज्यादा सामान भर देना। लोग सारा खाना एक ही बार में पकाना पसंद करते हैं। लेकिन, अगर आप इसे ओवन में फैलने से रोकना चाहते हैं तो कोशिश करें कि बेकिंग ट्रे में जरूरत से ज्यादा सामान न भरें, ऐसा करने से खाना पकाने की प्रक्रिया पर असर कम पड़ेगा और इसके छलकने की संभावना भी कम हो जाएगी।

4। ओवन लाइनर का इस्तेमाल करें

ओवन लाइनर एक हीट रेसिस्टेंट शीट है, जिसे आप ओवन में रख सकते हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए ओवन के निचले हिस्से में रखें। यह किसी भी खाने के टुकड़े या ग्रीस के छींटों को आसानी से अब्सॉर्ब कर लेगा और ओवन को बेदाग रखेगा। अगर ओवन लाइनर नहीं मिल पा रहा है, तो आप कुकी शीट का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

5। सही तापमान पर बेक करें

अगर खाना सही तापमान पर पक रहा हो, तब भी अवन पर कम दाग लगने की संभावना रहती है। अक्सर, हम रेसिपी में बताए गए तापमान को नजरअंदाज कर देते हैं और इसे अपने हिसाब से सेट कर लेते हैं। यही कारण है कि खाना ओवन में फैल जाता है। तापमान को हमेशा रेसिपी में बताए अनुसार ही सेट करें।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -98

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

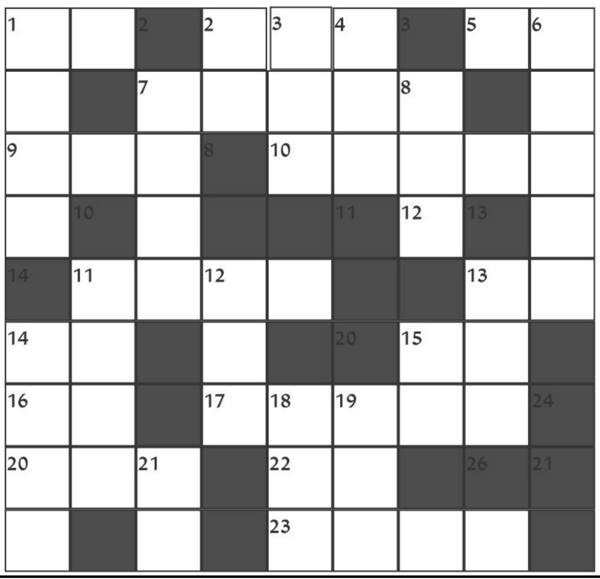

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 97 का हल

ग	ल	त				खा	म	खाँ
णे		ल		झ	प	की		
श	र	ब	त		रं			मि
	ज	गा	ना		प	रा	का	ष्ठा
	नी	र		वि	रा	ज	मा	न
ना	च			प			य	
म	र	णा	स	न्न		पा	नी	
ची			प		पा			भो
न	ज	रा	ना		स	मा	चा	र

आर्टिकल 370 की वर्ल्डवाइड कलेक्शन 75 करोड़ के पार

यामी गौतम की लेटेस्ट रिलीज आर्टिकल 370 को दर्शकों ने काफी पसंद किया है और ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा परफॉर्म कर रही है. बड़े बजट की हॉलीवुड रिलीज ड्यून पार्ट 2 से टक्कर मिलने के बावजूद भी ये फिल्म टिकट खिड़की पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है. ये फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है.

ये फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में है और ये बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है. हालांकि वीकडेज में फिल्म की कमाई में गिरावट भी आई है. चलिए यहां जानते हैं आर्टिकल 370 ने रिलीज के 12वें दिन कितने करोड़ कमाए हैं

कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाने पर बेस्ड यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 सिनेमाघरों में खूब धमाल मचा रही है. फिल्म को ना केवल क्रिटिक्स से पॉजिटिव रिव्यू मिले थे बल्कि दर्शकों को भी इसकी कहानी खूब पसंद आई है. इसी के साथ आर्टिकल 370 ने अपने बजटे से तीन गुना ज्यादा कमाई कर ली है. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो आर्टिकल 370 ने 5.9 करोड़ रुपये से खाता खोला था. इसके बाद फिल्म का पहले हफ्ते का कलेक्शन 35.6 करोड़ रहा.

वहीं अब ये फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में है. आर्टिकल 370 ने रिलीज के 8वें दिन 3 करोड़ कमाए थे. 9वें दिन यानी दूसरे शनिवार फिल्म ने 5.5 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं 10वें दिन यानी सेकंड संडे आर्टिकल 370 ने 6.75 करोड़ की कमाई की जबकि दूसरे सोमवार फिल्म की कमाई में 74.07 फीसदी की गिरावट आई और इसने 1.75 करोड़ की कमाई की. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक आर्टिकल 370 ने रिलीज के 12वें दिन भी 1.75 करोड़ की ही कमाई की है. इसी के साथ आर्टिकल 370 की 12 दिनों की कुल कमाई अब 54.35 करोड़ रुपये हो गई है.

आर्टिकल 370 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर लिया है. वहीं दुनियाभर में भी ये फिल्म तहलका मचा रही है. फिल्म ने वर्ल्डलाइड भी दमदार कमाई कर ली है. जियो स्टूडियो ने आर्टिकल 370 के दुनियाभर में कमाई के आंकड़े शेयर किए हैं. इस फिल्म ने 11 दिनों में वर्ल्डवाइड 77.07 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. ये फिल्म अब 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने की ओर तेजी से बढ़ रही है. आर्टिकल 370 को यामी गौतम के पति आदित्य धर ने प्रोड्यूस किया है और फिल्म का निर्देशन आदित्य सुहास जंभाले ने किया है. फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो इसमें यामी गौतम के अलावा अरुण गोविल और प्रियामणि ने अहम रोल प्ले किया है.

यमुनाबाई के किरदार में दमदार दिखीं अंकिता लोखंडे

रणदीप हुड्डा की फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर को लेकर लम्बे समय से बज बना हुआ है। आखिरकार इंतजार खत्म हुआ और फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर में अभिनेता एक-एक सीन आपके रोंगटे खड़े कर देगा।

रणदीप हुड्डा स्टारर स्वातंत्र्य वीर सावरकर क्रांतिकारी नेता विनायक दामोदर सावरकर की बायोपिक है। फिल्म में अभिनेता ने सावरकर की भूमिका निभाई है। रणदीप भारत को आजादी दिलाने वाले उस महान नेता की कहानी लेकर आए हैं, जिनसे लोग कम वाकिफ हैं।

हम सबने पढ़ा है कि भारत को आजादी अहिंसा से ही मिली है। यह वो कहानी नहीं है। रणदीप हुड्डा के इस डायलॉग के साथ स्वातंत्र्य वीर सावरकर के ट्रेलर की शुरुआत होती है। फिल्म में दिखाया गया कि कैसे सावरकर ने अखंड भारत की लड़ाई लड़ी। भारत को आजाद करने के लिए उन्होंने किस तरह अपनी फौज खड़ी की और अंग्रेजों भारत से भगाने के लिए उन्होंने एड़ी चोटी का दम लगा दिया था।

अपने क्रांतिकारी व्यवहार के चलते सावरकर को अंग्रेजों का जुल्म भी सहना पड़ा था। उन्हें दो बारा काला पानी की सजा दी गई, बुरी तरह पीटा गया। हालांकि, फिर भी सावरकर ने हार नहीं मानी और अपनी लड़ाई जारी रखी।

रणदीप हुड्डा ने वीर सावरकर की भूमिका में बिल्कुल न्याय किया है। ट्रेलर देख यह साफ पता चलता है कि उन्होंने इस किरदार को निभाया नहीं, बल्कि जिया है। एक-एक सीन में रणदीप, सावरकर की झलक दिखाते हैं। फिल्म में अंकिता लोखंडे का भी अहम रोल है। वह सावरकर की पत्नी यमुनाबाई की भूमिका में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से इंप्रेस किया है।

रणदीप हुड्डा की फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर 22 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन रणदीप ने ही किया है। वह बतौर डायरेक्टर डेब्यू कर रहे हैं। वह फिल्म के प्रोड्यूसर भी हैं।

कृति और काजोल की दो पत्ती का टीजर जारी, रहस्य-थ्रिलर से भरपूर है फिल्म

भारतीय सिनेमा की जानी-मानी लेखिका और निर्माता कनिका निर्देशक में रूप में अपनी शुरुआत करने जा रही हैंइन दिनों वह अपनी पहली निर्देशित फिल्म दो पत्ती को लेकर चर्चा में, जिसमें काजोल और कृति सैनन मुख्य भूमिका में नजर आएंगीदो पत्ती कृति के होम प्रोडक्शन ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स की पहली फिल्म हैअब दो पत्ती का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें काजोल सच और सबूत के बीच एक असामान्य मामले को सुलझाती हुई नजर आ रही हैं।

दो पत्ती ने काजोल पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी।यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। हालांकि, अभी तक इसकी रिलीज तारीख का ऐलान नहीं हुआ है। दो पत्ती एक रहस्य थ्रिलर है, जिसमें काजोल और कृति के अलावा तन्वी आजमी भी अभिनय करती नजर आएंगी। शहीर शेख भी दो पत्ती की स्टारकास्ट से जुड़ गए हैंसाल 2015 में आई फिल्म दिलवाले के बाद यह काजोल और कृति के बीच दूसरा सहयोग है।

टीजर की शुरुआत में ऊपर से खूबसूरत मनाली का मंजर है। फिर काजोल को बाइक चलाते दिखाया गया है। वह इसमें एक पुलिसकर्मी की भूमिका निभा रही है। पूरे टीजर में वॉइसओवर में वह जीवन में गलत और सही स्थितियों के बारे में बात करती दिखाई दे रही हैं।

हाल ही में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाली एक्ट्रेस कृति सेनन को इसमें ग्लैमरस और ग्रे शेड्स में दिखाया गया है।

टीजर से यह पता लगाना मुश्किल है कि फिल्म की कहानी क्या है, लेकिन देखने से यह थ्रिलर मूवी लग रही है।

फिल्म के कुछ डायलॉग भी टीजर में हैं। एक में काजोल कहती है, जब सच और सबूत आपस में भिड़ जाए तो क्या करना चाहिए। जिस पर कृति सेनन को कहते हुए सुना जा सकता है, वही करना चहिए जो दिल कहे, पर सबसे बड़े धोखे न साला दिल ही देता है।

बस्तर: द नक्सल स्टोरी, रोंगटे खड़े कर देने वाली सच्चाई की झलक

अदा शर्मा स्टारर फिल्म बस्तर: द नक्सल स्टोरी का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है. सुदीप्तो सेन के डायरेक्शन में बनी फिल्म के ट्रेलर में अदा शर्मा को अपने बेजोड़ अंदाज में देखा जा सकता है. दर्शकों को लुभाने वाले सभी एलिमेंट से भरपूर यह फिल्म उन्हे एंटरटेन करने की क्षमता रखती है. द केरल स्टोरी की जबरदस्त सफलता के बाद, टीम एक और डेयरिंग और प्रभावशाली विषय के साथ वापस लौटी है, जिसका ट्रेलर सभी के उम्मीदों पर खरा उतरता नजर आ रहा है.

ट्रेलर में नक्सलियों द्वारा सीआरपीएफ जवानों को मारने की दिल दहला देने वाली झलक है, इसके अलावा इसमें दिखाया गया है कि किस तरह से जेएनयू के क्षेत्रों द्वारा देश के जवानों की मौत का जश्न मनाया जाता है.

इंसानों को काटने के सीन से लेकर राष्ट्रगान गाने पर बच्चों को जलाए जाने, राजनीतिक हस्तियों की गोली मारकर हत्या करने और निर्दोष लोगों को फांसी पर लटकाए जाने के सीन्स तक ने इस ट्रेलर को जबरदस्त बना दिया है.

ट्रेलर न केवल उत्साह को दूसरे स्तर पर ले जाता है बल्कि हमें असल घटनाओं के बारे में और ज्यादा जानने के लिए प्रेरित भी करता है. ट्रेलर का मुख्य आकर्षण आईपीएस नीरजा माधवन का किरदार है, जिसे एक्ट्रेस अदा शर्मा ने निभाया है.विपुल अमृतलाल शाह की सनशाइन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और आशिन ए शाह द्वारा सह-निर्मित, बस्तर: द नक्सल स्टोरी सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित हैं और इसमें अदा शर्मा मुख्य भूमिका में होंगी. यह फिल्म 15 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

मडगांव एक्सप्रेस: जिंदगी में आए तूफान से निपटेंगे तीन दोस्त

अभिनेता कुणाल खेमू अब अपनी पहली फिल्म मडगांव एक्सप्रेस के साथ निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। मडगांव एक्सप्रेस का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में फिल्म का प्रोमो जारी किया गया था, जिसे देख दर्शक उत्साहित हो गए थे। वहीं, अब निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो कॉमेडी से भरपूर है।

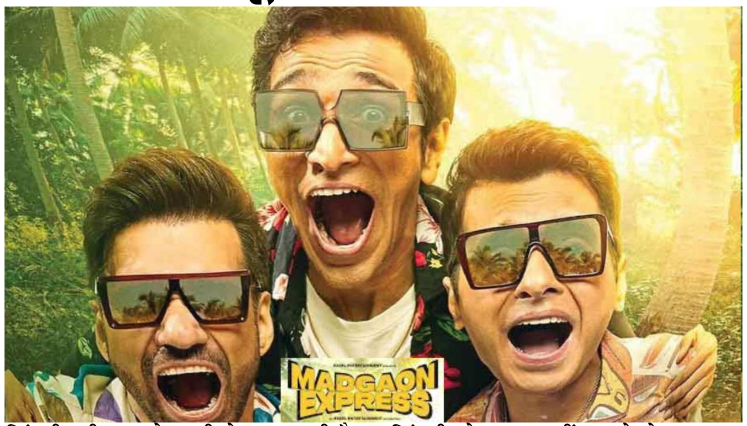

इस फिल्म में अभिनेता प्रतीक गांधी, अविनाश तिवारी और दिव्येंदु सहित कई शानदार कलाकार शामिल हैं। प्रतीक गांधी स्कैम 1992, अविनाश तिवारी बंबई मेरी जान और दिव्येंदु शर्मा मिर्जापुर में अपनी भूमिका के लिए मशहूर हैं। अब ये तीनों कलाकार दर्शकों के सामने अपना अलग अंदाज दिखाने के लिए तैयार हैं। यह ट्रेलर हंसी-मजाक से भरपूर है, जो तीन दोस्तों की गोवा की यात्रा को दिखता कि है कैसे वे जिंदगी में मजे करने के चक्कर में गोवा जाने की योजना बनाते हैं, लेकिन उनकी हंसती-खेलती जिंदगी में अचानक तूफान आ जाता है।

मडगांव एक्सप्रेस बचपन के तीन दोस्तों की यात्रा की कहानी है, जो गोवा की यात्रा पर निकलते हैं, लेकिन उनकी जिंदगी पूरी तरह से पटरी से उतर जाती है। मडगांव एक्सप्रेस में ये कलाकार यानी प्रतीक गांधी पिंकू, अविनाश तिवारी आयुष और दिव्येंदु डोडो का किरदार निभाएंगे। यह तीनों बचपन के दोस्त हैं और गोवा जाने का सपना देखते हैं, लेकिन वह पूरा नहीं हो पाता। आखिरकार एक दिन तीनों गोवा की यात्रा के लिए निकल पड़ते हैं और जिंदगी के मजे लेते हुए एक ड्रग्स स्कैंडल में फंस जाते हैं। वहां से उनकी जिंदगी अलग मोड़ ले लेती है और वे इससे निकलने की बजाये इसमें फंसते चले जाते हैं। हर मोड़ पर फिल्म का ट्रेलर हंसी-ठहाकों का डोज दे रहा है। ट्रेलर के अंत में प्रतीक का किरदार यह कहता है कि पहले पूरी जिंदगी गोवा आ नहीं पा रहे थे, अब जा नहीं पा रहे हैं। ट्रेलर के टैगलाइन में लिखा है, बचपन के सपनेज्लग गए अपने। कुणाल खेमू ने फिल्म का ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, गोवा जाने वाली मडगांव एक्सप्रेस आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 22 मार्च को आ रही है।

कुणाल खेमू द्वारा लिखित और निर्देशित मडगांव एक्सप्रेस का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने अपने बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत किया है। दिव्येंदु, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी के अलावा कलाकारों में नोरा फतेही, उपेंद्र लिमये और छाया कदम भी शामिल हैं।

विशेषाधिकार में घूस लेने की छूट नहीं

अजीत द्विवेदी

सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संसदीय पीठ ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने बहुत दो टूक अंदाज में कहा है कि सदन के अंदर सांसदों को जो विशेषाधिकार मिले होते हैं उनमें रिश्वत लेने की छूट शामिल नहीं है। अदालत ने कहा कि विशेषाधिकार इसलिए दिया गया है ताकि सांसद किसी भी विषय पर खुल कर अपनी राय रख सकें।

बहस और विचार विमर्श में किसी तरह की बाधा नहीं आए, वह बेबाक हो, हर पहलू को समेटे हुए हो इसके लिए विशेषाधिकार का प्रावधान किया गया है। इस टिप्पणी के साथ ही सर्वोच्च अदालत ने 26 साल पहले हुई एक गलती को सुधार दिया। अदालत का यह फैसला दूरगामी असर वाला साबित होगा और इससे संसद के दोनों सदनों के साथ साथ राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही को भी स्वच्छ, स्वतंत्र और पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी।

अदालत के इस फैसले को समझने के लिए 1993 के जेएमएम रिश्वत कांड और 1998 में आए फैसले के साथ साथ 2012 के मुकदमे के बारे में जानने की जरुरत है। तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव की अल्पमत सरकार पर आरोप लगे थे कि उसने 1993 में बहुमत साबित करने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसदों को रिश्वत दी थी। पार्टी सुप्रीमो शिबू सोरेन सहित कई सांसद इसमें शामिल पाए गए थे। लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई थी क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) की व्याख्या करते हुए तीन-दो के बहुमत से फैसला सुनाया था कि संसद के अंदर सांसदों को हासिल विशेषाधिकार के तहत इस मामले में सांसदों पर आपराधिक मुकदमा नहीं चल सकता है।

तब से यह स्थिति बनी हुई थी कि विशेषाधिकार के तहत रिश्वत लेना भी शामिल है। यानी कोई सांसद या विधायक अगर रिश्वत लेकर वोट करता है या सवाल पूछता है या बहस में हिस्सा लेता है तो उसके खिलाफ संसद या विधानसभा से बाहर मुकदमा नहीं चल सकता है।

इतिहास कैसे त्रासदी के रूप में अपने को दोहराता है वह इस मामले में दिखा, जब 2012 के राज्यसभा चुनाव में शिबू सोरेन की बहू सीता सोरेन के ऊपर रिश्वत लेकर निर्दलीय विधायक को वोट देने का आरोप लगा। जब उनके ऊपर मुकदमा कायम हुआ तो उन्होंने अपने ससुर के मामले में आए 1998 के फैसले का हवाला दिया और अपने लिए मुकदमे से छूट मांगी। इसी मामले में 2014 से नए सिरे से 1998 के फैसले की समीक्षा शुरू हुई। पहले तीन जजों की बेंच ने सुनवाई की।

फिर मामला पांच जजों की बेंच के पास गया और अंत में तय हुआ कि जब पहला फैसला पांच जजों की बेंच का है तो उससे बड़ी बेंच को इस पर विचार करना चाहिए ताकि स्पष्टता आ सके। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में सात जजों की बेंच ने दो दिन यह मामला सुना और फैसला सुरक्षित रख लिया। अब अदालत ने एक राय से पुराने फैसले को पलट दिया है और कहा है कि घूस लेना विशेषाधिकार नहीं है।

अदालत ने कहा है कि घूस लेना अपने आप में एक आपराधिक मामला है। घूस लेने के बाद इस बात का कोई मतलब नहीं रह जाता है कि आपने जिस काम के लिए घूस लिया वह काम किया या नहीं। अगर किसी सांसद ने वोट देने के लिए रिश्वत ली है तो इससे मुकदमे की गुणवत्ता पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि रिश्वत लेने के बाद उसने वोट दिया या नहीं या रिश्वत देने वाले के हिसाब से उसने संसद में बात की या नहीं। रिश्वत लेते ही अपराध का मामला बन जाता है।

सो, सुप्रीम कोर्ट का फैसला बहुत स्पष्ट और दो टूक है। उम्मीद करनी चाहिए कि इससे संसद और राज्यों की विधानसभाओं की कार्यवाही पहले से स्वच्छ होगी और ओवरऑल देश की राजनीति पर इसका सकारात्मक असर होगा। राजनेताओं की साख बेहतर करने में इस फैसले की अहम भूमिका हो सकती है।

इस सकारात्मक पहलू के बावजूद जेएमएम की विधायक सीता सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पैरवी करने वाले वकील राजू रामचंद्रन ने जो दलीलें दीं और जो सवाल उठाए उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती है। उन्होंने सांसदों के विशेषाधिकार की मौजूदा व्याख्या को अधूरा और एकपक्षीय बताया। उन्होंने कहा कि सिर्फ रिश्वत लेकर वोट डालने के मामले पर विचार करने की बजाय सांसदों के आचरण, भाषण आदि पहलुओं पर भी विचार करना चाहिए।

असल में अदालत के सामने मौका था कि वह अनुच्छेद 105 और अनुच्छेद 194 की व्यापक व्याख्या करती और घूस के साथ साथ दूसरे पहलुओं को भी शामिल करती। इसमें कोई संदेह नहीं है कि संसदीय विशेषाधिकार के तहत घूस लेने का अधिकार नहीं आता है। लेकिन क्या किसी सदन के अंदर किसी साथी सांसद को अपशब्द कहना या उसकी जाति या समुदाय को निशाना बना कर टिप्पणी करना संसदीय विशेषाधिकार के दायरे में आएगा? गौरतलब है कि संसद की नई इमारत में आयोजित पहले सत्र में भाजपा के सांसद रमेश विधूड़ी ने बहुजन समाज पार्टी के सांसद दानिश अली को अपशब्द कहे थे। उनके मामले में लोकसभा के स्पीकर को फैसला करने वाला अंतिम प्राधिकर माना गया। तभी सवाल है कि क्या उस मामले में भी आपराधिक मुकदमा नहीं कायम होना चाहिए था?

और अगर अभद्र या असंसदीय टिप्पणी करने पर कार्रवाई का अधिकार सदन के पीठासीन पदाधिकारी को है तो घूस के मामले में भी कार्रवाई का अधिकार उसी को क्यों नहीं होना चाहिए? ध्यान रहे पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में पहले लोकसभा ने कार्रवाई की थी। कोई 20 साल पहले 2005 में यह मामला आया था, जब लोकसभा के 10 और राज्यसभा के एक सांसद को पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में बर्खास्त कर दिया गया था।

इसी तरह पैसे या उपहार लेकर लोकसभा में सवाल पूछने के आरोप में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ आचरण समिति की सिफारिश पर कार्रवाई हुई और उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई। अब उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा भी चलेगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद एक बड़ा सवाल यह है कि आगे जब किसी सांसद या विधायक पर रिश्वत लेकर सदन के अंदर कोई काम करने का आरोप लगेगा तो क्या दोहरी कार्रवाई होगी या एक बार ही कार्रवाई होगी?

क्या ऐसा हो सकता है कि आरोप लगते ही सदन का पीठासीन अधिकारी आचरण समिति को मामले भेजे और उसकी सिफारिश पर संबंधित सदस्य की सदस्यता खत्म कर दे और उसके बाद संसद से बाहर पुलिस या कोई दूसरी एजेंसी भ्रष्टाचार का मुकदमा कायम करे? अगर ऐसा होगा तो यह प्राकृतिक न्याय के उलट होगा।

कायदे से यह होना चाहिए कि आरोप लगने पर या तो संबंधित सदन कोई कार्रवाई करे या सदन से बाहर मुकदमा अदालत में ही चले। अगर दोहरी कार्रवाई होती है तो अन्याय की गुंजाइश रहेगी। ध्यान रहे महुआ मोइत्रा अगर जांच और अदालती कार्रवाई में बरी हो जाती हैं तो फिर उनकी खत्म की गई सदस्यता का क्या होगा? फैसले के इस पहलू पर स्पष्टता की जरुरत है।

सू- दोकू क्र. 98

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.97 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

एक नई लक्ष्मण-रेखा

मोटे तौर पर कहा जाएगा कि कोर्ट की मंशा अच्छी है। लेकिन यह बात भी सही है कि लोकतंत्र में अधिकारों का बंटवारा एक बुनियादी तकाजा है। शासन की एक संस्था दूसरे संस्था के अधिकार क्षेत्र में अपनी पैठ बनाने लगे, तो इसे समस्याएं पैदा हो सकती हैँ।

सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संविधान पीठ ने विधायिका और न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्रों के बारे में संविधान में सीमा का पुनर्लेखन कर दिया है। उसने संविधान के अनुच्छेद 105(2) की नई व्याख्या कर दी है, जिसके तहत संसद के अंदर का कथित भ्रष्ट आचरण अब न्यायिक जांच-परख के दायरे में आ जाएगा। अपने ताजा फैसले के जरिए उसने 'पीवी नरसिम्हा राव बनाम स्टेट' (यानी झारखंड मुक्ति मोर्चा रिश्वत कांड) में 1998 में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया है।

वह मामला जन-प्रतिनिधियों के कथित रिश्वत लेकर सदन के अंदर भाषण देने और मत डालने से संबंधित था। 1998 में पांच जजों की संविधान पीठ ने कहा था कि सांसद और विधायकों पर इस तरह के मामलों में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, क्योंकि उन्हें संसदीय विशेषाधिकार का संरक्षण हासिल है। अब कोर्ट ने कहा है कि इस तरह के आचरण से संसदीय पवित्रता भंग होती है, इसलिए इसे संसदीय विशेषाधिकार का संरक्षण नहीं मिल सकता।

मोटे तौर पर कहा जाएगा कि कोर्ट की मंशा अच्छी है। लेकिन यह तथ्य भी अपनी जगह सही है कि लोकतंत्र में अधिकारों का बंटवारा एक बुनियादी तकाजा है। अगर शासन की एक संस्था दूसरे संस्था के अधिकार क्षेत्र में अपनी पैठ बनाने लगे, तो इसे समस्याएं पैदा हो सकती हैँ। संविधान में जिस तरह संसदीय विशेषाधिकार का प्रावधान किया गया है, उसी तरह का संरक्षण न्यायपालिका को भी दिया गया है।

अनुच्छेद 121 के तहत सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्टों के जजों के आचरण पर संसद में बहस नहीं हो सकती। अब यह सवाल उठेगा कि आखिर न्यायपालिका को यह संरक्षण क्यों मिले रहना चाहिए? कुछ वर्ष पूर्व एक प्रधान न्यायाधीश पर सुप्रीम कोर्ट के अंदर यौन उत्पीडऩ का आरोप लगा था। उस कांड की सामान्य आपराधिक न्याय प्रक्रिया के तहत जांच नहीं हुई, क्योंकि संबंधित जज को न्यायिक संरक्षण प्राप्त था। उस मामले पर संसद में भी चर्चा नहीं हो सकती थी। कोर्ट की मंशा यह है कि जन प्रतिनिधियों के भ्रष्ट आचरण पर रोक लगाई जाए। लोग इससे सहमत होंगे। लेकिन उनकी ऐसी ही आकांक्षा जजों के बारे में भी है। (आरएनएस)

मलाइका अरोड़ा ने रेड वेलवेट ड्रेस में दिखाईं अदाएं

छैयां-छैयां गर्ल मलाइका अरोड़ा हमेशा अपने स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के दिलों पर खंजर चला देता है। इन दिनों एक्ट्रेस को झलक दिखलाजा सीजन 11 में देखा जा रहा है। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में ग्रैंड फिनाले की शूटिंग के लिए रेड कलर का वन साइड ऑफ शोल्डर ड्रेस पहना हुआ था, जिसमें वो काफी गॉर्जियस लग रही थीं। हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पर रेड ऑफ शोल्डर आउटफिट में फोटोज पोस्ट किए हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट एंड सेक्सी लुक इंटरनेट का पारा गर्म कर रहा है। बता दें कि मलाइका अरोड़ा झलक दिखलाजा सीजन 11 की होस्ट हैं। और इन दिनों फिनाले होस्ट कर रही हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस का रेड ड्रेस वाला स्टाइलिश अवतार एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। मलाइका अरोड़ा अपनी इन फोटोज में कैमरे के सामने एक से बढ?र एक सेंशुअस अदाओं में पोज देते हुए फोटोशूट करवाती नजर आ रही हैं। उनके रेड आउटफिट में लगा हुआ फूल उनके इस आउटफिट को और क्लासी बना रहा है एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

सीएए, चुनाव को हिंदू-मुस्लिम बनाने का प्रयासः माहरा

विशेष संवाददाता

देहरादून। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पूर्व केंद्र सरकार द्वारा सीएए को लागू किया जाना यही दर्शाता है कि भाजपा चुनाव को हिंदू और मुस्लिम के मुद्दे पर लाकर खड़ा करना चाहती है।

यह बात आज कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा द्वारा एक पत्रकार वार्ता के दौरान कही गई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब 2019 में केंद्र सरकार इसे संसद से पास कर चुकी है तो वह अब तक इसकी अधिसूचना जारी क्यों नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सीएए से कोई आपत्ति नहीं है लेकिन इसे जिस तरह लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से दो-चार दिन पहले लाया गया उसके समय को लेकर जरूर आपत्ति है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकसभा के चुनाव में हिंदू-मुस्लिम को मुद्दा बनाकर वोटो का ध्रुवीकरण करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सीएए को लेकर बीते समय में हुए बवाल के मद्देनजर चुनावी दौर में लाया जाना भाजपा की केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा करने वाला है।

❑सीएए से नहीं आपत्ति समय को लेकर है
❑कांग्रेस को भाजपा युक्त कांग्रेस नहीं बनाना

कांग्रेस का साथ छोड़कर भाजपा के साथ जाने वाले नेताओं के सवाल पर माहरा ने कहा कि कांग्रेस की अपनी एक आईडियोलॉजी (विचारधारा) है और इस विचारधारा के साथ हर कोई राजनीति नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और दूसरे दलों के नेताओं को कांग्रेस में शामिल करने की हमारी कभी भी कोई मंशा नहीं होती है क्योंकि हम कांग्रेस को कांग्रेस ही बनाए रखना चाहते हैं कांग्रेस को भाजपा युक्त कांग्रेस नहीं बनना चाहते हैं। उनका कहना है कि जिस तरह भाजपा सभी को पार्टी में शामिल करने पर आतुर रहती है अगर हम चाहे तो हम भी कर सकते हैं।

टिकट बंटवारे में हो रही देरी पर उन्होंने कहा कि कुछ सीटों पर प्रत्याशियों के नामों पर सहमति बन चुकी है जबकि कुछ सीटों पर अभी विचार मंथन हो रहा है बहुत जल्द ही प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी।

दून से लखनऊ के बीच दौड़ी वंदे भारत...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

आवागमन के संसाधन तेजी से विकसित हो रहे हैं। राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों तक हवाई सेवाओं की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड से जो लगाव है वह जग जाहिर है। उत्तराखंड की किसी भी जरूरत को सिर्फ एक बार कहने पर प्रधानमंत्री उसे पूरा कर देते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और विश्व भर में देश की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि मोदी के काम से प्रभावित होकर लोग भाजपा के साथ आ रहे हैं और उन्हें एक बार फिर तीसरी बार पीएम बनाने जा रहे हैं।

विदेशी ड्रग पैडलर व पूर्व अध्यापिका...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कोबरा गैंग की सक्रिय सदस्य है, उसके द्वारा डिमाण्ड के हिसाब से दिल्ली से कोकिन को देश के अलग-2 हिस्सो में अपने एजेण्टों व पैडलरो को सप्लाई किया जाता है, देहरादून में भी डिमाण्ड पर सारथी साहनी व उसकी पत्नी रितिका साहनी पुत्र सुनील साहनी निवासी प्रीतम रोड को कोकिन सप्लाई करने आयी थी। गिरफ्तार सारथी साहनी द्वारा पूछताछ में बताया गया कि वह एक निजी कम्पनी में मार्केटिंग हेड है तथा दिल्ली व अन्य जगहो से अपने सम्पर्क सूत्रों के माध्यम से कोकिन मंगवाता है, जिसे वह अपनी पत्नी, जो एक प्रतिष्ठित विद्यालय में पूर्व अध्यापिका थीं, के साथ देहरादून में आयोजित होने वाली बडी-बडी पार्टियों में डिमांड के हिसाब से सप्लाई करता है। साथ ही विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत छात्रों को अपनी पत्नी के माध्यम से मादक पदार्थो की सप्लाई करवाता है, चूंकि उसकी पत्नी पूर्व में अध्यापिका थी, इसलिये कोई उन पर आसानी से शक नही करता है।

बता दें कि पूर्व में 6 फरवरी 2024 को थाना राजपुर पुलिस द्वारा कोबरा गैंग के 3 नशा तस्करों सरोवर कुमार, तनिष्क, प्रिंस राज को 3.30 ग्राम अवैध कोकिन तथा 38.45 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने आज पकड़े गये आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में

प्रधानमंत्री ने किया 'एक स्टेशन-एक उत्पाद स्टॉल' का वर्चुअल उद्घाटन

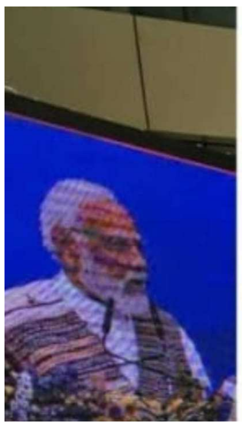

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय रेल की 85000 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण राष्ट्र को समर्पित किया। इस क्रम में योगनगरी ऋषिकेश स्टेशन पर एक स्टेशन-एक उत्पाद स्टॉल और जन औषधि केंद्र का भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम से क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल भी वर्चुअल रूप से जुड़े।

योगनगरी रेलवे स्टेशन में आयोजित कार्यक्रम के जरिये वर्चुअल रूप से जुड़े मंत्री डॉ अग्रवाल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल, उत्तराखंड में रेल बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में उत्तराखंड राज्य में 17000 करोड़ से अधिक की 3 नई रेलवे ट्रेक परियोजनाएं प्रगति पर हैं।

कहा कि इस साल के बजट में उत्तराखंड को रेल के लिए 5120 करोड़ का रिकॉर्ड आवंटन मिला है और 11 स्टेशनों को विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशनों के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल स्वर्णिम युग की ओर बढ़ रही हैं। पिछले 10 वर्षों में भारतीय रेलवे को नए भारत की आकांक्षाओं तथा आत्मनिर्भर भारत की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा कि 2014 के बाद से भारतीय रेल एक नए रूप में हमारे सम्मुख है।

डोईवाला विधायक बृज भूषण गैरोला ने कहा कि आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड में पहाड़ तक ट्रेन पहुंचाने का सपना सच होने जा रहा है। दुर्गम पहाड़ो के बीच से ऋषिकेश से आगे कर्णप्रयाग तक ट्रेन का संचालन होना किसी सपने का साकार होने जैसा है। कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन पर तेज गति से कार्य चल रहा है। टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन पर भी सर्वे का कार्य पूर्ण हो गया है और जल्दी ही इसमें भी काम शुरू हो जायेगा। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत उत्तराखंड के छह स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। देहरादून से आनन्द विहार के बीच इसी वर्ष वन्दे भारत ट्रेन का संचालन होना हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है।

इस मौके पर डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला, जिलाध्यक्ष रविन्द्र राणा, निवर्तमान मेयर अनिता ममगाई, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा कविता शाह, जिला महामंत्री दीपक धमीजा, जिला उपाध्यक्ष मनोज ध्यानी सहित कई लोग मौजूद रहे।

एक किलो गांजे सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को कल देर शाम खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से एक किलो 100 ग्राम गांजा बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना सिडकुल पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को पाल मार्केट रावली महदूद को जाने वाले तिराहे पर एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम आकाश पुत्र लालू सिंह निवासी टांडा भागमल लक्सर रोड थाना लक्सर हरिद्वार हाल सम्राट मार्केट रावली महदूद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

जल जीवन मिशन के सभी प्रोजेक्ट्स को जून तक पूर्ण करें:रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने जल जीवन मिशन के तहत संचालित सभी प्रोजेक्ट्स को जून तक पूर्ण करने की डेडलाइन अधिकारियों को दी।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने वर्तमान में जल जीवन मिशन के तहत संचालित सभी प्रोजेक्ट्स को जून 2024 तक पूर्ण करने की डेडलाइन सम्बन्धित अधिकारियों को दी है। रतूडी ने सभी 13 जिलों में शत् प्रतिशत एफएचटीसी (फंक्शनल हाउसहोल्ड टेप कनेक्शन) कवरेज पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विशेषरूप से स्कूलों में पेयजल, बेसिन के साथ ही शौचालयों में जलापूर्ति के सौ फीसदी लक्ष्य को पूरा करने की डेडलाइन भी अधिकारियों को दिए हैं। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने देहरादून तथा टिहरी जनपदों में 500 गांवों को स्वच्छ सुजल ग्राम बनाने के पायलट प्रोजेक्ट पर तत्परता एवं गम्भीरता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत सहभागी स्प्रिंग शेड प्रबन्धन (जल स्रोत संरक्षण/पुर्नजीवीकरण) तथा जल आपूर्ति योजनाओं की दीर्घकालीन सत्तता के माध्यम से देहरादून एवं टिहरी जनपदों के 500 गांवों को मॉडल वॉश विलेज बनाना है। सीएस ने जल जीवन मिशन के प्रोजेक्ट्स की थर्ड पार्टी मॉनिटरिंग को भी टाइमबाउण्ड करवाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने जल जीवन मिशन (एसडब्ल्यूएसएम तथा डीडब्ल्यूएसएम) के कर्मचारियों के मूल्यांकन के आधार पर वेतन वृद्धि के भी निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन के तहत जल जीवन मिशन की चतुर्थ शीर्ष समिति की बैठक सचिवालय में सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य में जल जीवन मिशन के अपडेट के बारे में बताया गया कि उत्तराखण्ड में एफएचटीसी (फंक्शनल हाउसहोल्ड टेप कनेक्शन) कवरेज 92.75 प्रतिशत है। राज्य के पांच जिलों में एफएचटीसी कवरेज 99 प्रतिशत से अधिक है। चार जिलों में 90 से 99 प्रतिशत है तथा अन्य चार जिलों में 80 से 90 प्रतिशत है। बैठक में सचिव अरविन्द सिंह हयांकी, अपर सचिव डा. अहमद इकबाल, नितिन भदौरिया एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

मुख्यमंत्री ने किया पंचायती वन निर्देशिका का विमोचन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंचायती वन निर्देशिका 2023 का विमोचन किया। आज यहा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैंप कार्यालय, मुख्यमंत्री आवास देहरादून में पंचायती वन निर्देशिका 2023 का विमोचन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य निर्माण के प्रारम्भ से ही पंचायती वनों से वन तथा वनों के अधिकार वितरण में पंचायती वन नियमावली के अनुसार स्थानीय ग्रामीणों द्वारा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है। राज्य सरकार द्वारा भी विभिन्न ऐसी योजनाओं का संचालन किया गया है जिससे कि वन पंचायतों से जुडें स्थानीय ग्रामीणों को वन संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए जागरूक करने के साथ ही विभिन्न आयपरक योजनाओं एवं उस क्षेत्र में ही लघु एवं कुटीर उद्योग से भी लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा इस वन पंचायत निर्देशिका के प्रकाशन से आम जनमानस को वन पंचायतों के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त होने के साथ-साथ पाठकों के लिए भी यह निर्देशिका अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर वन मंत्री सुबोध उनियाल, प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक, प्रमुख वन संरक्षक वन पंचायत डॉ.धनन्जय मोहन, मुख्य वन संरक्षक डॉ. पराग मधुकर धकाते मौजूद रहे।

शिक्षक पर कक्षा सात की छात्रा ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में एक अध्यापक पर छात्राओं ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की तैयारी में जुटी है। वहीं कोतवाली में छात्राओं के पक्ष में ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। जानकारी के अनुसार सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित एक जूनियर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक पर कक्षा सात की छात्रा ने छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया। मामला छात्रा के परिजनों तक पहुंचा तो ग्रामीणों की भारी भीड़ स्कूल में जमा हो गई। ग्रामीणों ने जमकर हंगामा शुरू कर दिया सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शिक्षक को हिरासत में ले लिया। वहीं ग्रामीणों की भीड़ भी कोतवाली में जमा हो गई इसके साथ ही दो अन्य छात्राएं भी परिजनों के साथ कोतवाली पहुंची उन्होंने भी शिक्षक पर अश्लीलता के आरोप लगाए हैं। पीड़ित परिवार की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। पुलिस तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ पोक्सो समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की तयारी में जुटी है। कोतवाली प्रभारी आरके सकलानी का कहना हैं कि तहरीर मिली है मुकदमा दर्ज कर मामले में जांच और उचित कारवाई की जाएगी।

'अरुणाचल प्रदेश भारत का आंतरिक एवं अटूट हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा'

नई दिल्ली। चीन हमेशा की तरह इस बार भी भारतीय प्रधानमंत्री के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर आपत्ति जताई लेकिन उसकी इस आपत्ति का जवाब भारत ने भी मजबूती के साथ दिया है। भारत ने जोर देकर कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का आंतरिक एवं अटूट हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। चीन की शिकायत पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश पर भारत के इस स्थित रुख के बारे में कई मौकों पर चीन को अवगत करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय नेताओं के अरुणाचल प्रदेश के इस प्रकार के दौरों या राज्य में भारत की विकासात्मक परियोजनाओं पर आपत्ति जताने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा, श्हम प्रधानमंत्री के अरुणाचल प्रदेश दौरे के संबंध में चीनी पक्ष द्वारा की गई टिप्पणियों को अस्वीकार करते हैं। चीन ने सोमवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले सप्ताह अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने को लेकर उसने भारत के समक्ष राजनयिक विरोध दर्ज कराया है और उसने भारत के इस कदम से सीमा विवाद के केवल (और) जटिल होने की बात कहकर क्षेत्र पर फिर से अपना दावा जताया। जायसवाल ने कहा कि ऐसी यात्राओं पर चीन की आपत्ति इस वास्तविकता को नहीं बदल पाएगी कि अरुणाचल प्रदेश श्भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

कथारूपी अमृतपान के लिए धन, बुद्धि बल नहीं, प्रेम की आवश्यकता है: ममगांई

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कलश समुद्र मंथन से निकला था जिसमें अमृत देवों को पिलाया गया। भागवत कथा श्रवनामृत से पूर्व भगवान भाव रखने पर कलश का जल अमृत स्वरूप बन जाता है जिसमे लाने वाले के घर में अमृत्व का लाभ होता है।

यह बात आज नव विहार चुक्खु मोहल्ला में भगवत कथा में कमांडेंट सरदार जोगिंद्र सिंह की पुण्य स्मृति में श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिन पीत वस्त्रों मे पहाड़ी परिधान के साथ गढ़वाल सभा से कलश यात्रा निकाली गयी जो कथा स्थल में आकर कथा व्यास आचार्य शिव प्रसाद ममगांई ने कहा, महा बुद्धिमान सुत जी कहते हैं कथा रूपी अमृत पान करने के लिए धन बुद्धि बल नहीं बल्कि प्रेम की आवश्यकता होती है जिसे श्रवण करने पर अंतर्दोष समाप्त होते है। कली काल की विषम परिस्थितियों में जीवन जीने वाले संघर्षरत प्राणी भी कृष्ण प्रेम पाने पर शांति व सुख प्राप्त कर सकता है। कली काल के आने से संसारी जीव भी दिशाहीन हो गये हैं। दूसरे का ध्यान न रखना, आसुरी वृत्ति है। जो कुशल में कुशल है चिंतन करने पर देने वाली चिंतामणि सांसारी सुख दे सकती है। सद्ग्यान व गुरु कृपा से योगियों को भी परम पद दिलाने वाला श्रीमद्भागवत है।

आज विशेष रूप से आनंद बल्ल्भ जोशी अजित सिंह सरोजनी देवी लखविंदर कौर हरप्रीत कौर परमजित कौर जगरूप सिंह अजितपाल सिंह मनप्रीत कौर रोहन जोशी ओम्म जोशी संजय नौटियाल विजय नौटियाल रमेश अनिता वरून नौटियाल राजेश नौटियाल सुषमा नौटियाल नंदा तिवारी मीनाक्षी नौटियाल रेखा भट्ट सुषमा दर्शनी देवि लक्ष्मि बहुगुणा श्रीकृष्ण बहुगुणा बीना शर्मा संतोष गुलशन ध नेश्वरी नौटियल शैली कोठियाल जानकी पंथ सरस्वती रतूड़ी सलोनी सकलानी आचार्य दामोदर सेमवाल आचर्य दिवाकर भट्ट आचार्य संदीप बहुगुणा आचार्य कैलाश ध्यानी आचार्य अरुण थपलियाल आदि भक्त गण भारी संख्या में उपस्थित रहे।

चोरी की योजना बनाते चार गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चोरी की योजना बनाते हुए पुलिस ने चार शातिरों को गिरफ्तार कर लिया हैं जिनके कब्जे से चोरी के उपकरण व दो दुपहिया वाहन भी बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली नगर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को हर की पैडी के पास से धनुष पुल के पूर्वी किनारे के सामने सिंचाई विभाग की गुमटी में चार व्यक्तियों को चोरी करने की योजना बनाते हुये चोरी के उपकरण एवं एक स्कूटी व एक मोटर साईकिल के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिनके नाम अमर सिह पुत्र गंगाराम निवासी जगदीशपुर गार्डन टपरी रोड निकट डेराबन्दा नवाज थाना सदर जनपद सहारनपुर हाल राजकुमार का मकान विष्णुगार्डन थाना कनखल हरिद्वार, सोनू पुत्र हरिराम निवासी डंधेडा थाना नागल जिला सहारनपुर हाल पता पवन चौहान का मकान बहादराबाद हरिद्वार, करन पुत्र जगराम निवासी भूपतवाला कोतवाली नगर हरिद्वार व निखिल पुत्र राकेश निवासी लालजीवाला कोतवाली नगर हरिद्वार बताये जा रहे है।

सतपुली बाजार में लगी भीषण आग, 12 दुकाने हुई जलकर खाक

हमारे संवाददाता

पौड़ी। सतपुली बाजार में देर रात 12 दुकानों में आग लगने से अफरा तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर सर्विस ने मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक दुकानों में रखा हुआ सारा माल जलकर खाक हो चुका था। हालांकि आग लगने से कोई जनहानि तो नहीं हुई है। लेकिन नुकसान की आंशका एक करोड़ से अधिक की जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती रात करीब 8 बजकर 15 मिनट पर सतपुली मुख्य बाजार में अचानक दुकानों पर आग लग गई। जिसके बाद एक के बाद एक दुकान आग की चपेट में आ गई। आग की सूचना जब पुलिस को मिली तो एसएसपी श्वेता चौबे ने तत्काल पुलिस व फायर सर्विस को घटनास्थल पर पहुंचने के निर्देश जारी किए। जिसके बाद घटना स्थल पर पहुंच कर पुलिस व फायर सर्विस ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। एसएसपी ने बताया कि आग के कारण 12 अस्थाई खोके पूर्ण रूप से जल गए हैं। प्रथम दृष्टा घटना शॉर्ट सर्किट होने से हुई है। आग लगने से प्रभावित होने वाले दुकानदारों के नाम दीपक पवार पुत्र जमुना प्रसाद निवासी सतपुली बाजार, कॉस्मेटिक की दुकान, मनोज नैनवाल निवासी सतपुली, कॉस्मेटिक की दुकान, युसूफ पुत्र यामिन निवासी सतपुली नाई की दुकान, इरफान पुत्र मोहम्मद उमर फल विक्रेता, नईम पुत्र बाबू निवासी सतपुली फल विक्रेता, मोहम्मद राजा पुत्र इमामुद्दीन फल विक्रेता, नईम पुत्र अब्दुल रशीद दुकान हैंडलूम, राजेंद्र प्रसाद बौंठियाल कापी किताब की दुकान, हसीब निवासी सतपुली फर्नीचर की दुकान, दीपक डबराल पुत्र शालिग्राम घड़ी की दुकान, सशांक घिल्डियाल निवासी सतपुली टूर एंड ट्रैवल व छोटू गुप्ता पुत्र मैहर चंद गुप्ता निवासी सतपुली कॉस्मेटिक की दुकान बताये जा रहे है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।